भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय
डिफेंस ऑफिस काम्प्लेक्स, सातवीं मंजिल,
'ए' ब्लॉक, के. जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001

GOVT OF INDIA
MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL OF
AERONAUTICAL QUALITY ASSURANCE
DEFENCE OFFICE COMPLEX, 7TH FLOOR,
A BLOCK, K. G. MARG, NEW DELHI-110001
Tele: 011-21411801 Fax: 011-21411892
Website: www.dgaeroqa.gov.in
E-mail: dg.dgaqa@gov.in

सत्यमेव जयते

संजय चावला
महानिदेशक

S. Chawla
Director General

DO:1171/DGAQA/SJC

31 अगस्त 2022

डी जी ए क्यू ए परिवार के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण।

69 वें स्थापना दिवस पर महानिदेशक महोदय का सन्देश

69 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर मैं वै.गु.आ.महानिदेशालय के सभी कार्मिकों तथा उनके परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

वै.गु.आ.महानिदेशालय के हमारे सम्मानित दिग्गजों एवं उनके परिवार को मेरी विशेष बधाई। यह उनकी दूरदृष्टि तथा कड़ी मेहनत है जिसने 1954 में वै.गु.आ.महानिदेशालय की स्थापना के बाद से ही इसे पोषित किया है।

'वै.गु.आ.महानिदेशालय दिवस' पीछे मुड़कर देखने तथा हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों को दर्ज़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही, उड़ान सुरक्षा के लिए अपेक्षित गुणवत्ता आश्वासन प्रदान करने के हमारे प्राथमिक उद्देश्य के लिए अपने आप को पुनः समर्पित करने का भी एक अवसर है।

गत वर्ष के दौरान हमने गुणवत्ता संस्कृति में सुधार करने, उद्योग को सशक्त बनाने, आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सुगमता से व्यापार करने की दिशा में कुछ मील के पत्थर हासिल किए हैं:-

i. **OF-DPSU (OFB निगमीकरण के बाद) के लिए AFQMS** : गुणवत्ता नियंत्रण/ गुणवत्ता आश्वासन के चरणों की प्रमुखता से समीक्षा की गई जिसमें आयुध कारखानों के QMS को मजबूत किया गया तथा अन्य समकक्षों जैसे - HAL, BEL, BDL, इत्यादि की बराबरी में लाया गया। तदनुसार, वै.गु.आ.महानिदेशालय के दायरे में कुल 12 कारखानों में से चार कारखानों को AFQMS अनुमोदन प्रदान किया गया तथा शेष प्रक्रियाधीन हैं।

ii. **मैसर्स एयरबस (Airbus) के साथ वै.गु.आ.महानिदेशालय की साझेदारी** : C-295 परियोजना का शुभारम्भ, जो सैन्य-विमानन उत्पादन में परिवर्तनकारी हो सकती है क्योंकि यह निजी क्षेत्र में विदेशी OEM के साथ साझेदारी की पहली परियोजना है, एक महत्वपूर्ण पहल है। वै.गु.आ.महानिदेशालय ने विमान के स्वदेशी उत्पादन के लिए मैसर्स एयरबस तथा TACL के साथ CQSP को अंतिम रूप दिया है। नई कार्यप्रणाली के लिए DDPMAS में आवश्यक संशोधन भी कर लिया गया है। इसके अलावा इस आशय के लिए एयरबस को DGAQA-AFQMS भी प्रदान किया गया है।

iii. **DGAQA-AFQMS अनुमोदन** : हमने कुल 87 फर्मों को AFQMS की मंजूरी दी है। इसके अलावा हमने प्राइवेट फर्मों को भी AFQMS मंजूरी देना शुरू कर दिया है। इस वर्ष ऐसी तीन फर्मों को मंजूरी दी गई है।

iv. **फर्मों एवं प्रयोगशालाओं का पंजीकरण** : जहाँ तक भारतीय रक्षा उद्योग के विस्तार के लिए फर्मों और परीक्षण-प्रयोगशालाओं के क्षमता-मूल्यांकन तथा पंजीकरण का प्रश्न है, कुल 77 फर्मों तथा 13 परीक्षण-प्रयोगशालाएं हमारे साथ पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय वायुसेना के अनुरोध पर एक नई श्रेणी –विदेशी OEM के लिए

प्राधिकृत डीलर/स्टॉकिस्ट, की शुरुआत की गई है और तदनुसार मानक संचालक प्रक्रिया को इसी वर्ष संशोधित रूप में जारी किया गया है।

v. वै.गु.आ.महानिदेशालय स्वदेशी डिजाइन एवं विकास परियोजनाओं जैसे -LCA, ALH, LUH, LCH, HTT-40, AMCA, इत्यादि के साथ –साथ स्वदेशीकरण , सामग्री-प्रतिस्थापन, लाइफ-एक्सटेंशन स्टडीज से जुडी विभिन्न गतिविधियों के दौरान सक्रिय दृष्टिकोण के साथ उद्योगों का लगातार समर्थन कर रहा है। इस क्रम में रक्षा मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे – IDEX, DTIS, MRGS, आदि को भी आवश्यक कवरेज दिया जा रहा है।

vi. निर्यात के मामले में वै.गु.आ.महानिदेशालय सेशेल्स(Seychelles) और मॉरीशस (Mauritius) के लिए डोर्नियर (Dornier) हेतु गुणवत्ता आश्वासन कवरेज एवं अंतिम मंजूरी प्रदान कर रहा है। साथ ही, हम LCA एवं ब्रह्मोस के निर्यात के लिए आने वाले आदेशों के लिए भी तैयार रहेंगे।

vii. रक्षा मंत्रालय /रक्षा उत्पादन विभाग के मार्गदर्शन के तहत वर्तमान DDPMAS-2021 की समीक्षा सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुरूप की जा रही है।

viii. मानव संसाधन के मामले में सभी समूह 'क', 'ख' व 'ग' संवर्गों की संवर्ग समीक्षा को अंतिम रूप देकर रक्षा मंत्रालय/डीओपीटी को प्रस्तुत कर दिया गया है। इसके अलावा कई अदालती मामलों के बावजूद इस वर्ष अधिकारियों की एक बड़ी संख्या को पदोन्नति दी गई है।

ix. गत वर्ष प्रशिक्षण के मामले में हमने 30 पाठ्यक्रम संचालित/आयोजित किए हैं। इनमें वै.गु.आ.महानिदेशालय के लगभग 200 कार्मिकों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है।

x. राजभाषा के संबंध में मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे लखनऊ कार्यालय को राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य के लिए नराकास द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसके अलावा राजभाषा के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए नासिक तथा कोरापुट स्थित अपर महानिदेशक के कार्यालय को कनिष्ठ अनुवादक उपलब्ध कराए गए हैं।

हमारे आतंरिक तकनीकी प्रकाशन 'वैमानिकी दर्पण' को दो वर्ष पूरे हो चुके हैं तथा मैं अपने सभी अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे सभी के पारस्परिक लाभ हेतु गुणवत्ता पूर्ण लेख उपलब्ध कराएं।

आइए हम 69 वें स्थापना-दिवस के अवसर पर परम समर्पण तथा व्यावसायिकता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रखने का संकल्प लें। मुझे विश्वास है कि उत्कृष्टता हासिल करने की हमारी सामूहिक क्षमता तथा प्रतिबद्धता वै.गु.आ.महानिदेशालय को और ऊँचाइयों की ओर ले जाएगी।

जय हिन्द

हार्दिक बधाई !

संजय चावला
31-08-22

(संजय चावला)
महानिदेशक